



कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयः

महाराष्ट्रराज्यसर्वकारद्वारा संस्थापितम् UGC द्वारा प्रमाणितम् w/s 2f and 12B NAAC द्वारा B++ श्रेण्या प्रत्यायितं च

प्रशासनभवनम्, मौदामार्गः, रामटेकम् - 441106, जिल्ला- नागपुरम्

सम्मानितशास्त्री (बी. ए.) दर्शनम्

विकल्पाश्रितपद्धतिः (CBCS निदर्शनम्)

पाठ्यक्रमः

शैक्षणिकमण्डल्या अङ्गीकृतम्। संख्या- Dt. .06.2018 Item no.

(2018-2019 तः)

| | |
|------------------|--|
| कार्यक्रमस्य नाम | सम्मानितशास्त्री दर्शनम् |
| संकायनाम | भारतीयधर्मः तत्त्वज्ञानं तथा संस्कृतिसंकायः |
| विभागनाम | भारतीयदर्शनम् |
| परीक्षाप्रकारः | सत्रार्द्धम् (मउमेजमतद्ध) |
| पाठ्यक्रमकालः | वर्षत्रयम् ;सत्रार्धषट्कम्द्ध |
| आहत्य अङ्काः | १४० |
| अर्हता | प्राक्षास्त्री II अथवा तत्समकक्षायाम् उत्तीर्णता |

| वर्षम् | अभ्यन्तरांकाः | | सैद्धान्तिकांकाः | | अन्यः | | योगः | | संख्याः | टिप्पणयः |
|------------------------------|---------------|-----|------------------|------|-------|---|------|------|---------|----------|
| प्रथमवर्षम् (षा.I & II) | 240 | 84 | 960 | 336 | - | - | 1200 | 420 | 46 | - |
| द्वितीयवर्षम् (षा.III & IV) | 240 | 84 | 960 | 336 | - | - | 1200 | 420 | 46 | - |
| द्वितीयवर्षम्(षा.V&VI) | 240 | 84 | 960 | 336 | - | - | 1200 | 420 | 50 | - |
| सम्पूर्णयोगः | 720 | 252 | 2880 | 1008 | - | - | 3600 | 1260 | 142 | - |

| द्वितीयवर्षम् – षाण्मासिकी - IV | | | | | | | | | | |
|---------------------------------|---|------------|------------|-------------|-------------|---|---|-------------|-------------|------------|
| SSV2-IV-01 | मराठी/हिन्दी/संस्कृतम् | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 03 |
| SSV2-IV-02 | अंग्रजीभाषा | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 03 |
| SSV2-IV-03 | साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/नृत्यम् | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 03 |
| SSV2-IV-04 | इतिहासः/नागरिकशास्त्रम्/ राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV2-IV-05 | नास्तिकदर्शनपरिचयः चार्वाकः, बौद्धः, जैनः | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV2-IV-06 | उपनिषद् (प्रश्नोपनिषद्) | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV2-IV-07 | कम्प्युटरशिक्षा/योगः | - | - | - | - | - | - | - | - | 02 |
| द्वितीयवर्षम् – योगः | | 240 | 84 | 960 | 336 | - | - | 1200 | 420 | 46 |
| तृतीयवर्षम् – षाण्मासिकी - V | | | | | | | | | | |
| SSV3-V-01 | सामाजिकविज्ञानम्/संगीतः/नृत्यम् | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 03 |
| SSV3-V-02 | इतिहासः/नागरिकशास्त्रम्/ राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-V-03 | अर्थसंग्रहः | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-V-04 | पञ्चदशी | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-V-05 | योगसूत्रम् (1, 2) | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-V-06 | उपनिषद् (प्रश्नोपनिषद्) | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-V-07 | पर्यावरण विज्ञानम्/मानवाधिकारः | - | - | - | - | - | - | - | - | 02 |
| तृतीयवर्षम् – षाण्मासिकी - VI | | | | | | | | | | |
| SSV3-VI-01 | सामाजिकविज्ञानम्/संगीतः/नृत्यम् | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 03 |
| SSV3-VI-02 | इतिहासः/नागरिकशास्त्रम्/ राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-VI-03 | तर्कसंग्रहदीपिका | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-VI-04 | सांख्यकारिका | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-VI-05 | योगसूत्रम् (3& 4) | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-VI-06 | वेदान्तसारः | 20 | 07 | 80 | 28 | - | - | 100 | 35 | 04 |
| SSV3-VI-07 | पर्यावरणम्/मानवाधिकारः | - | - | - | - | - | - | - | - | 02 |
| तृतीयवर्षम् – योगः | | 240 | 84 | 960 | 336 | - | - | 1200 | 420 | 50 |
| सम्पूर्णयोगः | | 720 | 252 | 2880 | 1008 | - | - | 3600 | 1260 | 142 |

सम्मानितशास्त्री (बी. ए.) दर्शनम्

विकल्पाश्रितपद्धतिः (CBCS निदर्शनम्)

पाठ्यक्रमः

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. अनर्स: इत्यस्य समकक्षः)

दर्शनम्

| | | |
|-------------------|---|------------------------------|
| आरक्षणसंख्या | — | 50 |
| अवधि: | — | वर्षत्रयम् (षट् षण्मासिक्यः) |
| परीक्षाप्रणाली | — | षण्मासिकी |
| प्रश्नपत्रप्रणाली | — | 80:20 |
| आयुसीमा | — | अधिकतमं 20 वर्षम् |

पात्रता निम्नांकितसु परीक्षासु कस्याः अपि एकस्याः परीक्षायाः उत्तीर्णः स्यात् ।

- i. एच. एस. सी/ सी. बी. एस. ई. (राज्यबोर्ड अथवा सी. बी. एस. ई बोर्ड)
- ii. सम्पूर्णानन्दसंस्कृतविश्वविद्यालयेन अथवा नई दिल्लीस्थेन राष्ट्रियसंस्कृतसंस्थानेन उत्तरमध्यमा
- iii. पुरी: उडीसास्थेन श्रीजगन्नाथसंस्कृतविश्वविद्यालयेन उपशास्त्री
- iv. तिरुपतिस्थेन राष्ट्रियसंस्कृतविद्यापीठेन प्राक्रशास्त्री
- v. अजमेरस्थया माध्यमिकशिक्षासमित्या वरिष्ठोपाध्यायः
- vi. कर्णाटकराज्येन साहित्यम्
- vii. 10+2 / तत्समकक्षा काऽपि परीक्षा यत्र संस्कृतविषयेणोत्तीर्णता स्यात्

विशेषः — एतादृशोऽभ्यर्थी यः हाईस्कूल, इण्टरमीडिएट संस्कृतं विनैवोत्तीर्ण अस्ति सोऽपि पाठ्यक्रमस्यास्य कृते योग्यो भविष्यति परं सः रामटेकस्थेन कविकुलगुरुकालिदाससंस्कृतविश्वविद्यालयेन प्रचाल्यमानं 'संस्कृत ब्रीज' इति नामकं पाठ्यक्रममुत्तीर्णोऽ भविष्यत् ।

आन्तरिकमूल्याङ्कनविवरणम् (B)

एकस्मिन् निश्चिते समये प्रदत्तायाः षण्मासिकीपरीक्षायाः विषयविशेषसम्बन्धिनां कार्याणाम् ईकाई / मूल्याङ्कनप्रणाल्यनुसारं वर्गपरीक्षणस्यायोजनं भविता यथा – षण्मासिक्यः आरम्भे विभागद्वारा निर्णयः प्रदत्तः आसीत् ।

यथा – (विस्तारणक्षेत्रम्/ प्रायोगिककार्यम्, लघुप्रश्नोत्तरी, वस्तुनिष्ठप्रश्नाः, प्रयोगशालायाः, प्रयोगः, आनावृत्तपुस्तकाध्ययनमादीनि तथा लिखितसमनुदेशनम्, व्यक्त्यध्ययनपरियोजनाः, सूचनापत्रकम्, प्रदर्शनादीनि) यत्र मूल्यांकनं कक्षाप्रस्तुत्यधारेण (यत्र कुत्रापि निश्चितं स्यात्) भविष्यति । नियमितानुदेशात्मकविवरणे सक्रियो भागः तथा अत्र (व्यावहारिककार्यम्, शैक्षणिककार्यम्, क्षेत्रादि सम्मिलितं भविष्यति परिस्थित्यनुसारम्) शिक्षणसम्बन्धिव्यवस्थायामेकः प्रतिक्रियाशीलशिक्षार्थिरूपेण समग्राचरणम्, विचारशैली, अभिव्यक्तिः तथा नेतृत्वगुणानां प्रदर्शनमादीनि सम्मिलितानि वतन्ते ।

पाठ्यक्रमः

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्स:) दर्शनम्

सम्मानितशास्त्री (बी.ए. आनर्स:) दर्शनम् षाण्मासिकी -I

भागः-III मुख्यविषयः

पाठ्यक्रमः -V- शास्त्रम् -1- दर्शनम्- संख्या -04 सम्पूर्णाङ्कः 100

सैद्धान्तिकांकाः 80

तर्कसंग्रहः

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली

- | | | |
|------------------------------------|-------------------------|---------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | चतुर्षु, द्वौ समाधेयौ | – 2 X 15 = 30 अंका |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | अष्टसु चत्वारः समाधेयाः | – 4 X 05 = 20 अंका |
| Q.3 श्लोकपूर्तिः | षट्सु त्रयः समाधेयाः | – 03 X 05 = 15 अंका |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | षट्सु त्रयः समाधेयाः | – 03 X 05 = 15 अंका |

सन्दर्भग्रन्थाः

1. तर्कसंग्रहः – चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, दिल्ली
2. तर्कसंग्रहः – नलिनीचाफेकरः, ठाणे प्रकाशनम्
3. तर्कसंग्रहः – आचार्यकेदारनाथत्रिपाठी दर्शनरत्नम्, मोतीलालबनारसीदासः
- 4- Tarkasangrah - Dipika Bodas Aathlye, Bhandarkar, Research Institute, Pune
5. तर्कसंग्रहः – परमानन्दः, श्रीलक्ष्मीव्यंकटेश्वरप्रेसः बंबई

पाठ्यक्रमः-VI - साहित्यम् -2 – दर्शनम् – संख्या- 04 सम्पूर्णाङ्कः 100

भगवद्गीता (2 –3)

सैद्धान्तिकाङ्काः 80

आन्तरिकमूल्याङ्कनम् – अंकाः- 20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

- | | | |
|------------------------------------|---------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X15 = 45 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - अष्टसु चत्वारो समाधेयाः | - 04X05 = 20 अंकाः |
| Q.3 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X05 = 15 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः –

1. Bhagavadgita Gitapress, Popular Book Stalls
2. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्यम् अथवा कर्मयोगशास्त्रम् – बालगंगाधरतिलक
3. Bhagavadgita by A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, ISCON

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्स:) दर्शनम् षाण्मासिकी -II

भाग:-III मुख्यविषयः

| | | |
|---|-------------------|--------------------------|
| पाठ्यक्रमः-शास्त्रम् V -1- दर्शनम्- विवेकचूडामणि | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|-------------------|--------------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

| | | |
|------------------------------------|---|---|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 श्लोकपूर्तिः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - | षट्सु त्रयः समाधेयाः - 03X08 = 24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः:-

1. विवेकचूडामणिः – गीताप्रेसगोरखपुरम्

| | | |
|---|-------------------|--------------------------|
| पाठ्यक्रमः-शास्त्रम् VI - -2- दर्शनम्- उपनिषद् (कठोपनिषद्) | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|-------------------|--------------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली

| | | |
|------------------------------------|---|---|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 कारिकायः व्याख्य विधेया | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - | षट्सु त्रयः समाधेयाः - 03X08 = 24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. ईशावास्योपनिषद्– ईशादिनौउपनिषत् (शांकरभाष्योपता) गीताप्रेसमः, गोरखपुरम्
2. उपनिषद्संग्रहः – पंडितजगदीशशास्त्री, मोतीलालबनारसीदासः, वाराणसी
3. The Secret of Katha Upanishad - Swami Krishnanand
4. The Upanishads- Eknath Esaswaran, Nilgiri Press

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्स:) दर्शनम् षाण्मासिकी III

भाग:-III मुख्यविषयः

**पाठ्यक्रम:-V-शास्त्रम् -1- दर्शनम् –
भगवद्गीता (6 & 16)**

संख्या -04

सम्पूर्णाङ्काः 100

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली

2-

- | | | |
|--|------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 श्लोकस्य मन्त्रस्य च व्याख्या विधेया - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेया | - 03X08 = 24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. Bhagavadgita Gitapress, Popular Book Stalls
2. श्रीमद्भगवद्गीतारहस्यम् अथवा कर्मयोगशास्त्रम् – बालगंगाधरतिलकः
3. Bhagavadgita by A.C. Bhaktivedanta Swami Prabhupada, ISCON

**पाठ्यक्रम:-VI -शास्त्रम् -2- दर्शनम् –
उपनिषद् (मुण्डकोपनिषद्)**

संख्या -04

सम्पूर्णाङ्काः 100

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

- | | | |
|------------------------------------|------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X15 = 45 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X10 = 20 अंकाः |
| Q.3 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X05 = 15 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः:-

1. मुण्डकोपनिषद्– ईशादिनौउपनिषत् (शांकरभाष्योपता) गीताप्रेसः, गोरखपुरम्
2. कल्याण–उपनिषद् – गीताप्रेसः, गोरखपुरम्
3. The Mandukya Upanishad-Swami Nikhilananda

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्स:) दर्शनम् षाण्मासिकी IV

पाठ्यक्रम:-V- शास्त्रम् -1- दर्शनम् –

सम्पूर्णाङ्कः 100

नास्तिकदर्शनपरिचयः (चार्वाकः, बौद्धः, जैनः)

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली

- | | | |
|--|------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 श्लोकस्य मन्त्रस्य च व्याख्या विधेया | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X08 = 24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. सर्वदर्शनसंग्रहः डॉ. उमाशंकरशर्मा, प्रकाशकः चौखंबाविद्याभवनम्, पो.बॉ. नं. 1069, वाराणसी 221001
2. भारतीयदर्शन की रूपरेखा प्रो. हरेंद्र प्रसाद सिंह, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी 221001
3. भारतीयदर्शन सुरेंद्रनाथदासः गुप्ता, मोतीलालबनारसीदासः जवाहरनगरम् दिल्ली, 110007
4. सर्वदर्शनसंग्रहः एवं शांकरदर्शनम्—डॉ. पंकजकुमारमिश्रः
5. सर्वदर्शनसंग्रहः वसन्त—अनन्तः—आपटे आनंदाश्रमग्रंथावली प्रकाशनम्

पाठ्यक्रम:-VI-शास्त्रम् -2- दर्शनम् –

सम्पूर्णाङ्कः 100

उपनिषद्—केनोपनिषद् ईषोपनिषद्

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

- | | | |
|------------------------------|---------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X15 = 45 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - अष्टसु चत्वारः समाधेयाः | - 04X05 = 20 अंकाः |
| Q.3 सूत्रस्य व्याख्या विधेया | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X05 = 15 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. केनोपनिषद् – गीताप्रेसः गोरखपुरम्

2. केनोपनिषद् – डॉ. शयितिवारी, प्रकाशनम्– विद्यानिधिः, प्रकाशनम् , दिल्ली
3. केनोपनिषद् – स्वामी प्रखरप्रज्ञानन्दसरस्वती, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम्, वाराणसी
4. उपनिषद्संग्रहः – पंडितजगदीशशास्त्री, मोतीलालबनारसीदासः, वाराणसी
5. The Secret of Katha Upanishad - Swami Krishnanand
6. The Upanishads- Eknath Esaswaran, Nilgiri Press

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्सः) दर्शनम् षाण्मासिकी -V

भागः-II मुख्यविषयः

| | | |
|---|-------------------|--------------------------|
| पाठ्यक्रमः-IIIशास्त्रम् -1- दर्शनम्- अर्थसंग्रहः | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|-------------------|--------------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली -

- | | | |
|------------------------------|---------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - चतुर्षु द्वौ समाधेयौ | - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - अष्टसु चत्वारः समाधेयाः | - 04X05 = 20 अंकाः |
| Q.1 श्लोकपूर्तिः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X05 = 15 अंकाः |
| Q.2 सूत्रस्य व्याख्या विधेया | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X05 = 15 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. अर्थसंग्रहः— व्याख्याकारः राजेश्वरशास्त्रिमुसलगावकरः, चौखम्बासंस्कृतसंस्थानम् पो.बॉ. नं. 1139, के. 37/116 गोपालमंदीरम् लेन वाराणसी 221001
2. अर्थसंग्रहः – डॉ. कामेश्वरनाथमिश्रः—चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी
3. अर्थसंग्रहः – डॉ. दयाशंकरशास्त्री – चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी
4. अर्थसंग्रहप्रकाशः – (प्रश्नोत्तरात्मकः) डॉ. नरेशझा, चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी

| | | |
|---|-------------------|--------------------------|
| पाठ्यक्रमः -IV - शास्त्रम् -2- दर्शनम्- पंचदशी (1 & 2) | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|-------------------|--------------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

- | | | |
|--|-------------------------|--------------------|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - चतुषु, द्वौ समाधेयौ | - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - चतुर्षु, द्वौ समाधेयौ | - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 श्लोकस्य मन्त्रस्य च व्याख्या विधेया | - चतुर्षु, द्वौ समाधेयौ | - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - षट्सु त्रयः समाधेयाः | - 03X08 = 24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. पंचदशी पं. दत्तात्रेयवासुदेवः जोगः, प्रकाशकः मु.द.जोगः, 18 दिपदर्शनसोसायटी, डोंबिवली (पश्चिमः)
2. श्रीनारायणराम—आचार्यः – चौखम्बासुरभारतीप्रकाशनम्, वाराणसी
3. पंचदशी – मिहिरचंद्रः, खेमराजकृष्णदासप्रकाशनम्, मुंबई

4. पंचदशी – भाग: 1–स्वामिशंकरानंदः, सेंट्रलचिन्मयमिशनट्रस्टः

पाठ्यक्रमः -V - शास्त्रम् -3- दर्शनम् –
योगसूत्रम् (1 & 2)

संख्या-04

सम्पूर्णाङ्काः 100

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

1. दशसु प्रश्नेषु केचन पञ्चैव प्रश्नाः समाधेयाः ।
2. सर्वे प्रश्नाः समानांकाः ।

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. Yoga Sutra with Bhashya (Marathi) -Shri Rele, Prasad Prakashan, Pune.
2. Yoga Sutra with Bhashya(Hindi) - Darshan Mahavidyalaya, Parsodi, Gujarat.
3. Yogasutra (Marathi) - Shri Kolhatkar, Prasad Prakashan, Pune.

पाठ्यक्रमः -VI - शास्त्रम् -4- दर्शनम् –
उपनिषद् (प्रश्नोपनिषद्)

संख्या -04

सम्पूर्णाङ्काः 100

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

1. दशसु प्रश्नेषु केचन पञ्चैव प्रश्नाः समाधेयाः
2. सर्वे प्रश्नाः समानांकाः

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. प्रश्नोपनिषद् – ईशादिनौउपनिषत् (शांकरभाष्योपता) गीताप्रेसः, गोरखपुरम्
2. कल्याण–उपनिषद् – गीताप्रेसः, गोरखपुरम्
3. The Mandukya Upanishad-Swami Nikhilanand

सम्मानितशास्त्री (बी. ए. आनर्स:) दर्शनम्, षाण्मासिकी -VI

भाग:-II मुख्यविषयः

| | | |
|---|------------|-------------------|
| पाठ्यक्रमः -III- शास्त्रम्-1- दर्शनम् – तर्कसंग्रहदीपिका | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|------------|-------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

| | | |
|--|---|---|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X08 = 16 अंकाः |
| Q.3 श्लोकस्य मन्त्रस्य च व्याख्या विधेया | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X05 = 10 अंकाः |
| Q.3 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - | षट्सु त्रयः समाधेयाः - 03X08 =24 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. तर्कसंग्रहः – चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, दिल्ली
2. तर्कसंग्रहः – नलिनीचाफेकरः, ठाणे प्रकाशनम्
3. तर्कसंग्रहः – आचार्यकेदारनाथत्रिपाठी, दर्शनरत्नम्, मोतीलालबनारसीदासः
4. Tarkasangrah - Dipika Bodas Aathlye, Bhandarkar, Research Institute, Pune
5. तर्कसंग्रहः – परमानंदः, श्रीलक्ष्मीव्यंकटेश्वरप्रेसः, बंबई

| | | |
|---|------------|-------------------|
| पाठ्यक्रमः-IV - शास्त्रम् -2- दर्शनम् – सांख्यकारिका | संख्या -04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|------------|-------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80

आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

| | | |
|------------------------------------|---|--|
| Q.1 दीर्घोत्तरीप्रश्नाः | - | चतुर्षु द्वौ समाधेयौ - 02X15 = 30 अंकाः |
| Q.2 लघुटिप्पणयः | - | अष्टसु चत्वारः समाधेयाः - 04X05 = 20 अंकाः |
| Q.3 श्लोकपूतिः | - | षट्सु त्रयः समाधेयाः - 03X05 = 15 अंकाः |
| Q.4 सन्दर्भप्रसङ्गात्मकाः प्रश्नाः | - | षट्सु त्रयः समाधेयाः - 03X05 = 15 अंकाः |

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. सांख्यतत्त्वदीपिका डॉ. लीनारस्तोगी
2. सांख्यकारिका –पंडितश्रीज्वालाप्रसादगौडः – चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, दिल्ली
3. सांख्यकारिका – आचार्यजगन्नाथशास्त्री

| | | |
|---|-------------|-------------------|
| पाठ्यक्रम:-V -शास्त्रम् -3- दर्शनम् – योगसूत्रम् (3 & 4) | संख्या --04 | सम्पूर्णाङ्कः 100 |
|---|-------------|-------------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80
आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली –

1. दशसु प्रश्नेषु केचन पञ्चैव प्रश्नाः समाधेयाः ।
2. सर्वे प्रश्नः समानांकाः ।

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. Yoga Sutra with Bhashya (Marathi) -Shri Rele, Prasad Prakashan, Pune.
2. Yoga Sutra with Bhashya(Hindi) - Darshan Mahavidyalaya, Parsodi, Gujarat.
3. Yogasutra (Marathi) - Shri Kolhatkar, Prasad Prakashan, Pune

| | | |
|--|------------|-----------------|
| पाठ्यक्रमः -VI -शास्त्रम् -4- Darshans – वेदान्तसार | Credits-04 | Total Marks 100 |
|--|------------|-----------------|

सैद्धान्तिकांकाः 80
आन्तरिकमूल्यांकनम् – अंकाः –20

प्रश्नपत्रप्रणाली–

1. दशसु प्रश्नेषु केचन पञ्चैव प्रश्नाः समाधेयाः ।
2. सर्वे प्रश्नः समानांकाः ।

सन्दर्भग्रन्थाः :-

1. वेदान्तसारः, व्याख्याकारः – डॉ. राकेशशास्त्री ,प्रकाशकः – परिमलपब्लिकेशन्सः, दिल्ली 110007
2. वेदान्तसारः – डॉ. सत्यनारायणश्रीवास्तवः
3. वेदान्तसारः – चौखम्बासंस्कृतप्रतिष्ठानम्, दिल्ली
4. वेदान्तसारः – जी.ए.जेकबकृष्णदासअकादमी

सम्मानितशास्त्री षण्मासिकी -I

भाग:-I भाषा

| | | |
|---------------------------|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-I – मराठी | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -I – हिन्दी / | संख्य-03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -I – संस्कृतम् | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| | | |
| पाठ्यक्रम:-II- अंग्रेजी | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग:-II सॉफ्टकोर

| | | |
|---|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-III- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: IV- सामान्य ऐचिछकः –इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | | |
| | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -III मुख्यविषयः

| | | |
|--|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-V- शास्त्रम्-1- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-VI -शास्त्रम् -2- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -IV प्रयोगात्मकाः / सैद्धान्तिकाः

| | | |
|---------------------------------------|------------|---------------------|
| पाठ्यक्रम:-VII कम्प्यूटरशिक्षा/, योगः | संख्या -02 | केवलं ग्रेडप्वाइण्ट |
|---------------------------------------|------------|---------------------|

सम्मानितशास्त्री षाण्मासिकी -II

भाग: -I भाषा

| | | |
|--------------------------|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम: -I – मराठी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-I – हिन्दी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-I – संस्कृतम् | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-II- अंग्रेजी | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -II सॉफ्टकोर

| | | |
|---|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-III- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ | संख्या -03 | सम्पूर्णाका:100 |
| पाठ्यक्रम:-IV- इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | | |
| | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: - III मुख्यविषयः

| | | |
|--|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-V-शास्त्रम् -1- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-VI -शास्त्रम् -2- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -IV प्रयोगात्मकाः / सैद्धान्तिकाः

| | | |
|--------------------------------------|------------|---------------------|
| पाठ्यक्रम:-VII, कम्प्यूटरशिक्षा/योगः | संख्या -02 | केवलं ग्रेडप्वाइण्ट |
|--------------------------------------|------------|---------------------|

सम्मानितशास्त्री षण्मासिकी -III

भाग: -I भाषा

| | | |
|--------------------------|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-I – मराठी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -I – हिन्दी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -I संस्कृतम् | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -II- अंग्रेजी | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -II सॉफ्टकोर

| | | |
|---|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम: -III- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-IV- इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | | |
| | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: - III मुख्यविषयः

| | | |
|---|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम: -V- शास्त्रम् -1- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -VI -शास्त्रम् -2- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -IV सैद्धान्तिका:

| | | |
|--------------------------------------|------------|---------------------|
| पाठ्यक्रम:-VII कम्प्यूटरशिक्षा/ योगः | संख्या -02 | केवलं ग्रेडप्वाइण्ट |
|--------------------------------------|------------|---------------------|

सम्मानितशास्त्री षण्मासिकी -IV

भाग: -I भाषा

| | | |
|--------------------------|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-I – मराठी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-I – हिन्दी / | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-I – संस्कृतम् | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| | | |
| पाठ्यक्रम:-II- अंग्रेजी | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -II सॉफ्टकोर

| | | |
|--|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-III- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ | संख्या -03 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम: -IV- इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा | | |
| | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: - III मुख्यविषयः

| | | |
|--|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-V-शास्त्रम् -1- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |
| पाठ्यक्रम:-VI - शास्त्रम् -2 दर्शनम् - - | संख्या -04 | सम्पूर्णाका: 100 |

भाग: -IV सैद्धान्तिका:

| | | |
|----------------|------------|---------------------|
| पाठ्यक्रम:-VII | संख्या -02 | केवलं ग्रेडप्वाइण्ट |
|----------------|------------|---------------------|

सम्मानितशास्त्री षाण्मासिकी -V

भाग:- I सॉफ्टकोर

पाठ्यक्रम:-I- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ संख्या – 3 सम्पूर्णाकाः 100

पाठ्यक्रम:-II- इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा

संख्या -04

सम्पूर्णाकाः 100

भाग: II मुख्यविषयः

पाठ्यक्रम:-III-शास्त्रम् -1- दर्शनम् –

संख्या -04

सम्पूर्णाकाः 100

पाठ्यक्रम:-IV -शास्त्रम् -2- दर्शनम् –

संख्या -04

सम्पूर्णाकाः 100

पाठ्यक्रम:-V -शास्त्रम् -3- दर्शनम् –

संख्या -04

सम्पूर्णाकाः 100

पाठ्यक्रम:-VI -शास्त्रम् -4- दर्शनम् –

संख्या -04

सम्पूर्णाकाः 100

भाग:-III सैद्धान्तिकाः

पाठ्यक्रम:-VII पर्यावरण विज्ञानम्/ मानवाधिकारः

संख्या -02

केवलं ग्रेडव्वाइण्ट

सम्मानितशास्त्री षण्मासिकी -VI

भाग: -I सॉफ्टकोर

पाठ्यक्रम:-I- साहित्यम् (सामान्यम्) संगीतः/ नृत्यम्/ संख्या – 3 सम्पूर्णाकाः 100

पाठ्यक्रम:-II- इतिहासः/ नागरिकशास्त्रम्/राजनीतिशास्त्रम्/शिक्षा

संख्या -04 सम्पूर्णाकाः 100

भाग: -II मुख्यविषयः

| | | |
|--|------------|------------------|
| पाठ्यक्रम:-III-शास्त्रम् -1- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाकाः 100 |
| पाठ्यक्रम:-IV -शास्त्रम् -2- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाकाः 100 |
| पाठ्यक्रम:-V - शास्त्रम्-3- दर्शनम् – | संख्या -04 | सम्पूर्णाकाः 100 |
| पाठ्यक्रम:-VI - शास्त्रम्-4- दर्शनम्– | संख्या -04 | सम्पूर्णाकाः 100 |

भाग: -III सैद्धान्तिकाः

पाठ्यक्रम:-VII पर्यावरण विज्ञानम्/ मानवाधिकार संख्या-02 केवलं ग्रेडव्वाइण्ट
